क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 169, शुक्रवार, 13 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गंगाजल घर मंगाना हुआ आसान

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने लांच किया गंगाजल एप

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि गंगा सबके सहयोग से स्वच्छ और निर्मल होगी। सरकार के साथ जब तक आमजन गंगा की सफाई और संरक्षण में अपना योगदान नहीं देंगे तब तक गंगा को निर्मल-अविरल या स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि गंगा को मोक्षदायिनी या माता की संज्ञा दी गई है। माता की सेवा करना जिस प्रकार हमारा धर्म है, उसी प्रकार गंगा को बचाना हमारा धर्म है। बुधवार को उन्होंने गंगाजल एप का लोकार्पण करने आए थे। श्री शर्मा ने कहा कि सबके भागीरथ प्रयास से ही गंगा को पुराने पवित्र स्वरूप में लाया जा सकता है।

एप इंद्रप्रस्थ संजीवनी नामक एनजीओ ने बनाया है। इस एप के जरिए कोई दिल्ली-एनसीआर के अंदर गंगाजल कोई भी मुफ्त में गंगाजल मंगा सकते हैं। एनजीओ के अध्यक्ष संजीव अरोड़ा ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में लाखों लोगों को मुफ्त में गंगाजल बांट चुके हैं। यह सिलसिला बीते तीन सालों से लगातार चल रहा है। अब कोई भी ऐप के जरिए मांग करके गंगाजल घर बैठे मंगवा सकते हैं। श्री शर्मा ने श्री अरोड़ा के इन प्रयासों की सराहना की और कहा कि लाखों श्रद्धालु लाभान्वित होंगे और गंगा पर हमारी आस्था और बढ़ेगी।

इस मौके पर उत्तरांचल के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि यह डिजीटल इंडिया का ही प्रताप है कि पहले लोग गंगाजल के लिए गंगा मैया के तट तक आते थे, लेकिन अब बस एक क्लिक में गंगाजल आपके घर होगा। इस मौके पर दक्षिणी दिल्ली के मेयर नरेंद्र चावला, केंद्र सरकार की सॉलिसीटर जनरल पत्नी श्रीमती पिंकी आनंद, महामंडलेश्वर स्वामी प्रज्ञानंद, स्वामी मार्तंड पुरी समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

कश्मीर में हड़ताल से जनजीवन प्रभावित

बंद रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठान, सड़कों पर नहीं चले वाहन

श्रीनगर ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों की कार्रवाई के दौरान नागरिकों की मौत के खिलाफ मंगलवार को अलगाववादियों की हड़ताल के आह्वान के कारण बुधवार को कश्मीर घाटी में सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित रहा, दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और सड़कों से वाहन नदारद रहे।

एक पुलिस अधिकारी ने यूनीवार्ता को बताया कि शहर-ए-खास और श्रीनगर के पुराने शहर सहित यहां किसी इलाके में कोई प्रतिबंध नहीं है। कश्मीर घाटी में हड़ताल से सरकारी कार्यालयों और बैंकों में कामकाज प्रभावित रहा जबकि शैक्षणिक संस्थान बंद रहे, सुरक्षा कारणों से ट्रेन सेवा भी बंद रहीं। शहर में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और सिविल लाइन्स में सड़कों पर वाहन नदारद रहे और श्रीनगर के नये इलाके में कुछ निजी वाहन, मुख्यतः दो-पहिया वाहनों को, कुछ मार्गों पर आते-जाते देखा जा सकता था।शहर के मुख्य व्यापारिक केंद्रों में व्यापार और अन्य गतिविधियां अभी तक पंगु हैं, यहां तक कि ऐतिहासिक लाल चौक, बुडशाह चौक, रीगल चौक, मैसुमा, हरि सिंह गली, बाटमालू, मौलाना आजाद रोड, रेजीडेंसी रोड और डलगेट भी प्रभावित रहा। शहर-ए-खास और पुराने शहर में कोई प्रतिबंध नहीं था, यातायात प्रभावित होने की वजह से इन क्षेत्रों

में जनजीवन प्रभावित रहा और अलगाववादियों द्वारा बुलाई गयी हड़ताल के समर्थन में दुकानदारों ने दुकानें बंद रखी। ऐतिहासिक जामिया मस्जिद को खोल दिया गया है। इससे पहले, अलगाववादियों की हड़ताल के आ्रवान करने पर प्रशासन ने शहर-ए-खास और निचले नगरों में कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध को लागू किया हुआ था और जामिया मस्जिद को बंद कर दिया था।

अप्रिय घटना को रोकने अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात

अतिरिक्त सुरक्षा बल बुलेट प्रूफ जैकेट्स पहने हुए थे और अपने हाथों में हथियार और लाठी लेकर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शहर में गश्त करते दिखाई दिए। अलगाववादियों के नेताओं के समूह समेत सईद अली शाह गिलानी, मीरवाइज मौलवी उमर फारूक और मोहम्मद यासीन मलिक ने बुधवार को हड़ताल का आ्रवान किया था। अलगाववादियों ने ये आ्रवान शोपियां में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक युवक की मौत के खिलाफ किया था, इस गोलीबारी में दो आतंकवादियों को भी मुठभेड़ में मार गिराया था।नागरिकों और आतंकवादी की मौत के खिलाफ कुलगाम में बुधवार को दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और सड़कों से यातायात गायब थे। शोपियां में भी सामान्य जीवन प्रभावित रहा।दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग और पुलवामा भी पूरी तरह से बंद रहने की रिपोर्ट आई है। मध्य कश्मीर जिलों बडगाम और गंदेरबल में भी हड़ताल के दौरान जनजीवन प्रभावित रहा। बारामुला से मिली रिपोर्ट में कहा गया है कि हड़ताल के समर्थन में यहां भी जनजीवन प्रभावित रहा और अन्य उत्तरी कश्मीर नगरों और तहसील मुख्यालय, दुकानें बंद रहीं और यातायात भी बंद रहा। पूरे उत्तरी कश्मीर में अतिरिक्त सुरक्षा बलों कानून- व्यवस्था की समस्या को रोकने के लिए तैनात किया गया।

न्यूज

बिहार में करोड़ों रुपए के गबन के मामले में दो पैक्स अध्यक्षों को जेल

बेतिया (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चम्पारण जिले में प्राथमिकी कृषि साख समिति (पैक्स) के करोड़ों रुपये के चावल गबन करने के मामले में दो पैक्स अध्यक्षों को बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर गोनौली साख सहयोग समिति के अध्यक्ष सह मिलर कृष्ण मोहन राय और अशोक राय को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर पैक्स का करोड़ों रुपये के चावल गबन करने का आरोप है। सूत्रों ने बताया कि कृष्ण मोहन और अशोक पर जिला सहकारिता पदाधिकारी के आवेदन पर मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद छापेमारी में उनके घर एवं गोदाम को विशेष जांच दल (एसआईटी) की टीम ने सील कर दिया था। इसी मामले में आज मुफस्सिल थाने की पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नासिक में नकाबपोशों ने की एक युवक की हत्या

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नासिक शहर के पंचवटी इलाके में एक युवक की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार पीड़ित किशोर नागरे (26) रामवाडी के आदर्श नगर का निवासी था। मंगलवार देर रात पीड़ति अपने घर के सामने खड़ा था और उसी समय तीन से चार नकाबपोश अज्ञात लोगों ने उस पर तेज धारदार हथियार से हमला कर बुरी तरह जख्मी कर घटनास्थल से फरार हो गये। पीड़ित का भाई और अन्य लोग जब घर से बाहर निकले तो किशोर को खून से लथपथ पाया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया और किशोर को जिला सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव का पंचनामा किया और अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

झारखंड में पंचायत सेवक पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

डालटनगंज (एजेंसी)। झारखंड के पलामू जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधावार कोएक पंचातक सेवक को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो सूत्रों ने यहां बताया कि जिले के नावा बाजार प्रखंड के बसना गांव में 14वें वित्त की योजना से चबूतरा निर्माण कराया गया था। चबूतरा का निर्माण हो गया था लेकिन पंचायत सेवक नंदकिशोर राम चेक देने के लिए लाभुक छोटन कुमार से रिश्वत की मांग कर रहा था। कई बार आग्रह करने के बाद भी जब पंचायत सेवक तैयार नहीं हुआ तो लाभुक ने इसकी शिकायत एसीबी के डालटनगंज कार्यालय में की। सूत्रों ने बताया कि ब्यूरो ने मामले का सत्यापन करने के बाद कार्रवाई के लिए पुलिस उपाधीक्षक प्राणरंजन के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। तय योजना के तहत लाभुक को रिश्वत के पांच हजार रुपये दिए गए और टीम के साथ उसे भेजा गया। जैसे ही पंचायत सेवक ने पैसे लिए एसीबी के अधिकारियों ने उसे धर दबोचा।

प्रख्यात चीनी प्रचारक किन यांगमिन को 13 साल की जेल

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के लोकतंत्र प्रचारकों में से एक किन यांगमिन को सरकारी व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 13 साल के कारावास की सजा दी गयी है। बीबीसी न्यूज ने बताया कि किन यांगमिन (64) पहले भी 22 साल की जेल की सजा भुगत चुका है। मानवाधिकार अधिवक्ता लिन किलेई ने बताया किन ने अदालत के साथ सहयोग करने से इंकार कर दिया और मुकदमे के दौरान मूक रहा। मध्य चीन में वुहान सिटी इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने ऑनलाइन के जरिये किन के दोषी होने की पुष्टि की। चीनी मानवाधिकार रक्षकों गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के एक शोधकर्ता फ्रांसिस ईव ने कहा कि किन पर लोकतांत्रिक चीन में उनके विश्वास के साथ-साथ मानवाधिकारों की वकालत करने के कार्यों के लिए मुकदमा चलाया गया। उन्होंने कहा, 'तीन साल की जांच के बावजूद अधिकारियों ने उनके खिलाफ मामला बनाने में असफल रहे।'किन चीन डेमोक्रेसी पार्टी के सह संयोजक रहे और पार्टी को आधिकारिक तौर पर पंजीकृत करने की कोशिश करने के बाद 1998 में 12 साल की जेल हुई। एक साल बाद जब वह जेल में थे उनका नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

शाहजहांपुर में वाहन चोर गिरफ्तार आठ मोटरसाइकिलें बरामद

शाहजहांपुर (एजेंसी)।उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर के अल्लागंज क्षेत्र से पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से चोरी की आठ मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं । पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मंगलवार रात अल्लागंज क्षेत्र से पुलिस ने सूचना के आधार पर ढिगरी गांव के पास वाहन चोर गिरोह के धीरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे एवं निशादेही पर चोरी की 08 मोटरसाइकिलें बरामद की गई । उन्होंने बताया कि धर्मपुर पिडरिया निवासी वाहन चोर ने पूछताछ पर बताया कि वह अपने साथियों के साथ आस-पास के क्षेत्र से मोटरसाइकिलें चोरी कर उन्हें ग्राहक मिलने पर बेच देता था । गिरफ्तार बदमाश को जेल भेज दिया गया। पुलिस उसके अन्य साथियों का पता लगा रही है ।

मोदी आज करेंगे स्व-सहायता समूहों से संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, डीडीयू-जीकेवाई तथा आरएसईटीआई के तहत कार्य कर रहे स्वसहायता समूहों के सदस्यों के साथ संवाद करेंगे।

वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाले इस संवाद का दूरदर्शन से सुबह साढ़े नौ बजे से सीधा प्रसारण होगा एवं एनआईसी अपने नेटवर्क के माध्यम से इसे वेबकास्ट करेगा। श्री मोदी स्व सहायता समूह के सदस्यों से डीएवाई-एनआरएलएम के तहत आरंभ किए गए विभिन्न कार्योकलापों तथा उससे उनके जीवन पर हुए असर के बारे में जानकारी लेंगे। इस संवाद में बिहार के शराब विरोधी आंदोलन,छत्तीसगढ़ की ईट निर्माण इकाई , झारखंड के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट , सखी एवं इमली मूल्य श्रृंखला, मप्र के सेनेटरी नैपकिन के विनिर्माण एवं विपणन, राजस्थान के सोलर पैनल एवं लैम्प के विनिर्माण एवं विपणन, महाराष्ट्र के पशु सखी , जम्मू कश्मीर के डेयरी फॉर्म तथा गुजरात के नीम बीजों का संग्रह एवं विपणन पर काम करने वाले स्व-सहायता समूह शामिल हैं।

532 चिकित्सक बने प्रभारी विशेषज्ञ डॉक्टर

भोपाल (एजेंसी)। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा प्रदेश की जनता को विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से ऐसे चिकित्सक जिन्होंने एमबीबीएस के बाद पीजी डिग्री अध्ययन उपरांत तीन वर्ष तथा पीजी डिप्लोमा पश्चात पांच वर्ष से अधिक की नियमित सेवा पूर्ण की हो को 01-04-2016 की स्थिति में वरीयता सूची के अनुसार 532 चिकित्सकों को प्रभारी विशेषज्ञ बना दिया गया है।

अगर किसी चिकित्सक के विरुद्ध विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण, लोकायुक्त प्रकरण व निलंबित हों तो कार्यभार न सौंपने का आदेश अपर संचालक, संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं मध्यप्रदेश विवेक श्रोत्रिय ने मंगलवार को जारी किए हैं । इसमें प्रदेश के सभी जिलों के शासकीय चिकित्सक शामिल हैं। इसके अलावा एएमए के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पांडेय ने कहा कि प्रभारी स्पेशलिस्ट डॉक्टर बनाने से चिकित्सकों के इलाज विधि में कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। बात तो तब है जब ग्रामीण अंचलों में चिकित्सकों की पूरी व्यवस्था करे सरकार। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की भांति न सिर्फ एमबीबीएस डॉक्टरों के वेतन के साथ समूची सुविधाएं दी जाए, बल्कि आयुष डॉक्टरों को एलोपैथी की विशेष ट्रेनिंग देकर नवीन भर्तियां कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजा जाए।

दिग्विजय सिंह की याचिका पर उमा भारती को नोटिस

हाईकोर्ट ने मानहानि मामले में मांगा जवाब

जबलपुर (एजेंसी) हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की याचिका पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री उमा भारती को नोटिस जारी किया है। जस्टिस एसके पालो की एकल पीठ ने यह नोटिस मानहानि के एक मामले में बचाव पक्ष के गवाह का पुनः परीक्षण कराए जाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर दिया है। एकल पीठ ने तीन सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। याचिका की अगली सुनवाई छह अगस्त को नियत की गई है।

प्रकरण के अनुसार वर्ष 2003 में दिग्विजय सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उमा भारती ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक बयान देते हुए उनके कार्यकाल में घोटाले का आरोप लगाया था। इस मामले में दिग्विजय सिंह ने भोपाल की निचली अदालत में उमा भारती के खिलाफ मानहानि का प्रकरण दायर किया था। मामले में दिग्विजय सिंह की ओर से गवाही पूरी हो चुकी है। उमा भारती की ओर से बचाव में गवाही चल रही है। दिग्विजय सिंह के अधिवक्ता ने भोपाल की सीजेएम कोर्ट में बचाव पक्ष के एक गवाह के पुनः परीक्षण कराए जाने के लिए आवेदन दिया था। सीजेएम ने गवाह का पुनः परीक्षण कराए जाने का आवेदन 29 सितंबर 2017 को खारिज कर दिया था।

उक्त आदेश के खिलाफ दिग्विजय सिंह की ओर से यह याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई है। मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए न्यायालय ने भाजपा केंद्रीय मंत्री उमा भारती को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त को निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर अधिवक्ता अजय गुप्ता और राजीव मिश्रा ने पक्ष रखा।

संसद के मानसून सत्र में रास उपसभापति चुनाव पर आशंका!

एनडीए ने शुरू किए सर्वसम्मति बनाने के प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगता है संसद के मानसून सत्र में भी राज्यसभा उपसभापति का चुनाव संभव नहीं हो पाएगा। अभी जो हालात दिख रहे हैं, उससे लगता है कि 18 जुलाई से शुरू हो रहे संसद का सत्र पक्ष-विपक्ष के बीच घमासान वाला होगा। विपक्ष के पास कई ऐसे मुददे हैं जिसपर हंगामा होने के आसार हैं।

ऐसे में सब कुछ ठीक-ठीक रहना मुश्किल लगता है। उपसभापति पद के लिए भी जबरदस्त खींचतान रहने की आशंका है क्योंकि दोनों ही पक्ष इस पद को हासिल करना चाहता है। लेकिन संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में दोनों के पास इस लायक बहुमत नहीं है। शायद इसीलिए सत्ताधारी भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए ने सर्वसम्मति से इस पद पर चुनाव कराने के प्रयास भी शुरू कर दिए हैं। खबर है कि सर्वसम्मति नहीं बन पाई तो मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा उपसभापति का चुनाव टल भी सकता है। सत्ता पक्ष के एक वरिष्ठ नेता की मानें तो राज्यसभा उपसभापति के चुनाव के लिए नियमों में कोई बाध्यकारी समय-सीमा नहीं है। दूसरी बात इससे पहले भी कई मौकों पर उपसभापति के चुनाव को आगे बढ़ाया गया है। इसलिए किसी एक नाम पर सर्वसम्मति बनने तक इस बार भी ऐसा हो सकता है। तब तक सभापति सदन की कार्यवाही संचालित करने उपसभापतियों का पैनल बनाकर काम चला सकते हैं। उनके मुताबिक जहां तक राज्यसभा उपसभापति के चुनाव का सवाल है, तो वह संसद सत्र के बाद भी हो सकता है। वैसे भी इस बार मानसून सत्र में कामकाज के लिए सिर्फ 18 दिन ही मिल रहे हैं। लिहाजा ऐसा भी संभव हो सकता है। ज्ञात हो कि उपसभापति पीजे कुरियन का कार्यकाल 2 जुलाई को खत्म हो चुका है।

सेवा से जुड़े मामले को लेकर राजनाथ से मिले केजरीवाल

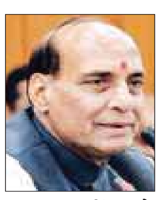

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय के उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के अधिकारों पर फैसले के बाद सेवा से जुड़े मामलों पर विवाद के मद्देनजर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की ।

श्री केजरीवाल ने उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य नेताओं के साथ श्री सिंह से मुलाकात के बाद मीडिया से कहा कि गृहमंत्री से उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए आदेशों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र और उपराज्यपाल अपने अपने ढंग से न्यायालय के आदेश में अड़चनें उत्पन्न कर रहे हैं। उपराज्यपाल और केंद्र का यह कहना है कि वे आधा आदेश मानेंगे और नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश में यह साफ है कि 'सर्विसेज' (प्रशासनिक अधिकारियों से जुड़े अधिकार) पर फैसला दिल्ली सरकार को लेना है लेकिन केंद्र और उपराज्यपाल इस मामले से इन्कार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदेश में स्पष्ट है कि भूमि, पुलिस और कानून.व्यवस्था को छोड़कर सारे अधिकार दिल्ली सरकार के पास हैं लेकिन उपराज्यपाल का कहना है कि वह सर्विसेज से जुड़े मामलों में दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ का फैसला आने के बाद इसे मानेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा कैसे होगा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश को आधा मानेंगे और आधा नहीं । श्री केजरीवाल ने कहा कि श्री सिंह ने इस मामले पर उनकी दलीलों से सहमति जताई और अधिकारियों से विचार- विमर्श के लिए तीन दिन समय मांगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृहमंत्री तीन दिन के लिए बाहर जा रहे हैं और 16 जुलाई को उनसे फिर इस संबंध में मुलाकात होग

तबादलों में रिश्वत की जानकारी दें, पांच लाख का इनाम पाएं

पंजाब के शिक्षा मंत्री ओमप्रकाश सोनी ने किया ऐलान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के शिक्षा मंत्री ओम प्रकाश सोनी ने आज कहा कि शिक्षकों के तबादलों में रिश्वतखोरी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और घोषणा की कि जो भी व्यक्ति अध्यापकों के तबादलों में रिश्वत लेने या देने संबंधी पक्के सबूतों के जानकारी देगा, उसे पांच लाख रुपए का इनाम दिया जायेगा।

यहां जारी पंजाब सरकार की विज्ञप्ति के अनुसार श्री सोनी ने दावा किया कि तबादलों का कार्य पारदर्शी तरीकों से किया जा रहा है और इसमें किसी भी तरह का राजनीतिक दबाव या पैसों का दख़ल नहीं होने दिया जा रहा। श्री सोनी ने शिक्षा विभाग और पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा कि बोर्ड में हर वर्ष काफी संख्या में पुस्तकें बिना बांटे रह जाती हैं, जिनको बाद में रद्दी में डालना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों का प्रकाशन और वितरण सत्र शुरू होने से पहले सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने गाइडों के बढ़ते रुझान को रोकने के लिए सभी पुस्तकों विशेषज्ञों की सलाह के साथ बोर्ड द्वारा ही छपवाने के लिए कहा। उन्होंने साथ ही कहा कि पुस्तकों की गुणवत्ता को कायम रखा जाये और इसके लिए कागज भी बढ़िया गुणवत्ता का प्रयोग किया जाये। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बोर्ड की पुस्तकें सही समय पर न छपने के कारण निजी प्रकाशक फायदा उठा लेते हैं। इस रुझान को रोकने की जरूरत है।

सरकार ने मांगी सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करने की तकनीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अमानवीय परिस्थितियों और संबंधित दुर्घटनाओं को देखते हुए सीवर और सेप्टिक टैंक की साफ - सफाई के लिए आम जनता से स्वदेशी, सरल और टिकाऊ तकनीक मांगी है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई की उचित, अनुकूल एवं टिकाऊ तकनीक को बढ़ावा देने के लिए''टेक्नोलॉजी चैलेंज''जारी किया है। ऐसी तकनीक से साफ सफाई के लिए सीवर और सेप्टिक टैंक के भीतर कर्मचारी को प्रवेश करने की जरुरत नहीं होगी। मंत्रालय के अनुसार चुनी गयी तकनीक का दो अक्टूबर 2018 को होने वाले महात्मा गांधी स्वच्छता सम्मेलन में प्रदर्शित किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने की जांच सीबीआई से कराने की याचिका खारिज

मामला मुन्ना बजरंगी की हत्या का

इलाहाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कुख्यात अपराधी मुन्ना बजरंगी हत्या की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की याचिका बुधवार को खारिज कर दी।

गत नौ जुलाई को बागपत जिला जेल में अपराधी मुन्ना बजरंगी की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस मामले में उसके परिवार की ओर से एक याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल की गयी थी। याचिका में परिवार को मुआवजा देने और हत्या की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी। न्यायालय की एकल पीठ ने तकनीकी कारणों से याचिका बुधवार को खारिच कर दी। न्यायाधीश ने याचिका को दो न्यायाधीशों की खंडपीठ में स्नानान्तरित करने से इन्कार कर दिया। हालांकि इससे पहले याचिकाकर्ता को न्यायालय ने खंडपीठ में एक अलग से याचिका दायर करने की अनुमति दी थी। न्यायाधीश एस डी सिंह ने याचिकाकर्ता के वकील स्वाती अग्रवाल की दलीलों को सुनने के बाद यह फैसला दिया।

याचिका में न्यायालय से इस मामले की जांच सीबीआई से कराये जाने तथा उसके परिवार को मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया था।

न्यायालय के फैसले के बाद याचिकाकर्ता के वकील स्वाती अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया इस मामले में सोमवार को दो न्यायाधीशों की खंडपीठ में याचिका दाखिल की जायेगी। वकील ने बताया कि मुन्ना बजरंगी ने गत 16 मई को उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल करके कहा था कि उसकी जान को खतरा है। गत नौ जुलाई को बागपत जेल के भीतर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में केवल सीबीआई जांच से ही पता चल सकता है कि जेल के अन्दर हथियार कैसे पहुंचे और इसमें किन किन लोगों का हाथ था।

अयोध्या में संत समाज के विरोध के कारण सरयू में मुस्लिम मंच का वजू कार्यक्रम स्थगित

लखनऊ (एजेंसी)। राष्टीय मुस्लिम मंच की ओर से आज राम मंदिर विवाद के हल और अमन के लिए आयोजित कार्यक्रम में विघ्न पैदा हो गया। इसके कारण सरयू नदी में वजू के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। रामकथा संग्रहालय से सीधे नूह असलाहिस्लाम की मजार पर जाकर फातिया व कुरानख्वानी का निर्णय लिया गया। डीएम डा. अनिल कुमार पाठक ने कार्यक्रम पर रोक लगाए जाने से इनकार किया। है।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था की दिशा

दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की सूची में भारत का एक स्थान ऊपर चले जाना अच्छी खबर भले ही हो, लेकिन इसमें ऐसा कुछ नहीं है, जिसे नई बात कही जा सके। भारतीय अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने की जो गति चल रही है, उसमें भारत का स्थान लगातार ऊंचा होना ही है, यह बात पूरी दुनिया काफी समय से समझ रही है। विश्व बैंक ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं के जो आंकड़े बुधवार को जारी किए हैं, उसके अनुसार पहले भारत इस फेहरिस्त में सातवें नंबर पर था, जो अब छठे नंबर पर पहुंच गया है। यह फेहरिस्त दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 2017 के आंकड़ों पर आधारित है। भारत की जीडीपी पिछले दो-ढाई दशक से काफी तेजी से बढ़ रही है। पिछले एक दशक में तो यह लगभग दोगुनी ही हो गई है। अब इस फेहरिस्त में भारत से पहले अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश ही हैं। इसके पहले तक भारत इस फेहरिस्त में सातवें नंबर पर था और छठे नंबर पर फ्रांस था। फ्रांस अब सातवें नंबर पर पहुंच गया है। किसी भी तरह से इसे एक खुशखबरी तो कहा ही जा सकता है, हालांकि इस तरह के आंकड़ों की एक दिक्कत यह होती है कि वे हमें अक्सर पूरी कहानी नहीं बताते। जीडीपी की दौड़ में भारत ने फ्रांस को भले ही पछाड़ दिया है, लेकिन और गहराई में जाकर देखें, तो एक आम आदमी की समृद्धि के लिहाज से भारत अभी भी फ्रांस से बहुत पीछे ही दिखेगा। यह ठीक है कि भारत की कुल जमा जीडीपी फ्रांस की जीडीपी से ज्यादा हो गई है, लेकिन प्रति व्यक्ति के हिसाब से देखें, तो कहानी कुछ और ही निकलती है। भारत की आबादी इस समय 1.34 अरब है, जबकि इसकी तुलना में फ्रांस की आबादी महज 6.7 करोड़ है। अब अगर हम जीडीपी का प्रति व्यक्ति के हिसाब से आकलन करें, तो फ्रांस की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी से 20 गुना से भी ज्यादा है। यानी हम भले ही तेजी से तरक्की करने वाले देश हैं और आगे भी लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन इस तरक्की ने अभी भी आम आदमी को उतना समृद्ध नहीं बनाया, जितना कि फ्रांस का आम आदमी बहुत पहले से ही है। यह तुलना इस बात को समझने के लिए जरूरी है कि हमें अभी कितनी दूर जाना है और हमारे सामने जो चुनौती है, वह कितनी बड़ी है? इस फेहरिस्त के मुकाबले हमारे लिए ज्यादा अच्छी खबर यह है कि जिस समय चीन समेत दुनिया की तमाम बड़ी और दूसरी अर्थव्यवस्थाएं सुस्त पड़ रही हैं, भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी रफ्तार न सिर्फ बरकरार रखी है, बल्कि उसे लगातार बढ़ाया भी है। निकट भविष्य में इसके सुस्त पड़ने की आशंका इसलिए भी नहीं है कि भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, और युवा आबादी किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए खाद-पानी का काम करती है। जिस देश में जितने युवा हाथ होते हैं, उस देश की उत्पादक संभावनाएं उतनी ही विस्तृत होती हैं। हालांकि इसका पूरा फायदा तभी उठाया जा सकता है, जब हम सभी युवाओं को रोजगार दे सकें, उन्हें जीडीपी की वृद्धि में भागीदार बना सकें। इस लक्ष्य को जल्द हासिल करना होगा। जिस दिन हम यह कर लेंगे, अभी जो तरक्की की रफ्तार है, उसे बहुत पीछे छोड़ देंगे। तब हमारी और पश्चिम की अर्थव्यवस्थाओं में प्रति व्यक्ति समृद्धि का जो अंतर है, वह भी शायद इतना नहीं रहेगा। .

स्कूल की अमानवीयता

राजधानी दिल्ली के बल्लीमारान में एक पब्लिक स्कूल में फीस जमा न करने पर 59 बच्चियों को जिस तरह बंधक बनाकर रखा गया वो अमानवीयता तो है ही कानून का सीधा उल्लंघन भी है। इस खबर को जानने के बाद हर व्यक्ति के अंदर गुस्सा पैदा हुआ है। यह तो उन दादानुमा महाजनों जैसी करतूत हो गई, जो कर्ज लेने वालों को बंधक बनाकर उनके परिजनों से कहते हैं कि धन लाओ और इसे वापस ले जाओ। उस स्कूल की प्राचार्या के दिमाग में इस प्रकार बच्चियों को उनकी वर्ग कक्षा से निकालकर तहखाने में बिठाए रखने का विचार आया कहां से? ठीक है उनके अभिभावकों ने समय पर शुल्क नहीं जमा किया या कुछ ने कई महीनों का शुल्क नहीं भरा होगा। तो वसूलने का यह तरीका नहीं हो सकता। यह खुलेआम अपराध है। अगर माता-पिता ने शुल्क नहीं भरा, उसमें उन बच्चियों का क्या दोष था? हमें यह पता नहीं कि इसके पहले स्कूल की प्राचार्या ने शुल्क जमा करने के लिए माता-पिता से कितनी बार संपर्क किया। हम यह भी मान सकते हैं कि समय पर शुल्क न मिलने से शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन आदि खर्च चलाने में समस्याएं आतीं हैं। किंतु किसी भी परिस्थिति में बच्चियों के साथ इस तरह का अमानवीय बर्ताव अस्वीकार्य है। हालांकि शिक्षा अब जिस तरह एक व्यवसाय में तब्दील हो गया है, उसमें यह अस्वाभाविक नहीं है। इस प्रकार की ज्यादातर घटनाएं हमारे सामने आती ही नहीं। यहां भी एक दो बच्चियों का मामला होता तो शायद ही इस तरह सुर्खियां पाता। चूंकि एक साथ इतनी बच्चियां थीं और प्राचार्या उनके अभिभावकों की कोई बात सुनने को तैयार नहीं हुई; इससे हंगामा हो गया और मामला पुलिस से लेकर मीडिया तक आ गया। अगर एक दो बच्चियां होतीं तो माता-पिता अनुनय-विनय करते, उनको बाहर निकाल दिया जाता जैसा इन सबको निकालने का भी आदेश प्राचार्या ने दिया था, वे कहीं से बकाया शुल्क का बंदोबस्त करके आते तभी शायद अपनी बच्ची को ले जाते। तत्काल मामला दर्ज हो गया लेकिन निदान यह नहीं है। हमारा मानना है कि सरकारी शिक्षा तंत्र को ऐसा बनाया जाए ताकि नर्सरी से लेकर प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयें फिर से आकर्षण का केंद्र बनें। पब्लिक स्कूलों की निर्ममता से बचाने का यही एकमात्र रास्ता है।

कटाक्ष/ सहीराम

आ गले लग जा

मॉब लिंचिंग का एक अपराधी जेल में यकायक जोर-जोर से और जार-जार रोने लगा। दूसरे अपराधी, जो जाहिरन उससे वरिष्ठ था, उसे तसल्ली देने लगा-रो मत मेरे भाई। एक दिन आएगा जब हमें बेल मिल जाएगी। तब हम अपने नेता से मिलने जाएंगे। हम तो भले ही स्कूलों से भागे हुए, पढ़ाई बीच में छोड़ बैठे, आवारा, उद्दंड, बेकार लोग हैं। अफवाहों में यकीन कर लेते हैं, भावनाओं में बह जाते हैं, और मजे-मजे में मारपीट कर बैठते हैं। और हम करें भी क्या? पर बताते हैं कि हमारा नेता तो कुछ मंत्री-संतरी टाइप चीज है। कहते हैं कि वो बहुत पढ़ा-लिखा है, बल्कि उसे मंत्रीमंडल में ही सबसे पढ़ा-लिखा माना जाता है। वैसे तो उसका बाप भी पढ़ा-लिखा है। वह भी मंत्री रहा है पर उसके बाप को तो लोग आजकल नालायक कहते हैं, लेकिन उसे नालायक बाप का लायक बेटा माना जाता है। जब हम उससे मिलेंगे तब देखना वो नेता हमारा कैसे स्वागत करता है। अपने हाथों से हमें फूलमालाएं पहनाएगा। हम पर गर्व करते हुए दुनिया को बताएगा कि हम कितने महान हैं। और ऐसा सचमुच एक दिन हो ही गया। एक मंत्री अलसुबह उठे। पूजा-पाठ, यज्ञ-हवन, तंत्र-मंत्र किया और सीधे जेल पंहुच गए। जेल अधिकारी अवाक-अरे साहब आप यहां। ठीक है कि आपके घर में करोड़ों रुपये पकड़े गए थे, पर मुकदमा तो नहीं बना था, फिर आप यहां क्यों? चुप रहो-मंत्री ने डांटा-पता है मैं कितना आहत हूं, मुझे अपने भाइयों से मिलना है। अच्छा तो आपके भाई यहां बंद हैं-जेल अधिकारियों ने राहत की सांस ली। बकवास मत करो-मंत्री ने कहा-मुझे अपने भाइयों के पास ले चलो। अधिकारियों ने उनके भाइयों की पहचान की। उनका भरत मिलाप कराया। मंत्री जी उनसे मिलकर इतने भावुक हुए कि उनमें से एक-एक की कई-कई बार झप्पियां लीं। आंखों से गंगा-जमुना प्रवाहित की। सारा का सारा प्रेम-स्नेह उन पर उड़ेल डाला-हाय मेरे जिगर के टुकड़ो, देखो तुम्हारे साथ कितना अन्याय हो रहा है। तुमने ऐसा क्या कर दिया, हत्या ही तो की है पर धर्म तो बचाया। पर मैं मजबूर हूं मेरे बच्चों। मैं कुछ कर ही नहीं पा रहा। हमारी सरकार जरूर है, पर सारी की सारी हमारी नहीं है और जो हमारी नहीं है, वह हमारे धर्म के प्रति कतई दयालू नहीं है क्योंकि वह छद्म धर्मनिरपेक्षतावादी है।

बाजार और व्यापार में नई भागीदारी

शशांक पूर्व विदेश सचिव

बुधवार को जब दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इनभारत से विदा हो रहे थे, तो एक सफल यात्रा की खुशी उनके चेहरे पर साफ-साफ दिख रही थी। उनका यह दौरा दक्षिण कोरिया की 'न्यू सदर्न पॉलिसी' (नई दक्षिण नीति) को गति देने में खासा मददगार साबित हुआ है। यह नीति आपसी समृद्धि और शांति के लिए दक्षिण एशियाई देशों के साथ बेहतर रिश्ते बनाने पर जोर देता है। जाहिर है, भारत इसमें एक महत्वपूर्ण साझेदार है। हालांकि इस यात्रा में हमारे हित भी जुड़े थे। भले ही हम दक्षिण कोरिया के लिए एक बड़े बाजार की भूमिका ज्यादा निभाएंगे, पर 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' (पूर्वी देशों के साथ खास सहयोग बनाने की नीति) के बेहतर संचालन में वह हमारा बड़ा सहयोगी है। दक्षिण कोरिया के पास न तो उन्नत तकनीक की कमी है और न विशेषज्ञों व पूंजी की। भारत यह सब हासिल करके अपने बुनियादी ढांचे में सुधार ला सकता है।

राष्ट्रपति मून जे-इन की यह पहली भारत यात्रा थी। उनकी छवि मानवाधिकार समर्थक की रही है। पिछले दिनों कोरियाई प्रायद्वीप में शांति-स्थापना में भी उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग-उन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सफल वार्ता के लिए परदे के पीछे काफी मेहनत की है। भारत आकर मून जे-इन दरअसल उन तमाम वादों को ही आगे बढ़ा रहे थे, जो वहां के पूर्ववर्ती शासनाध्यक्षों किम युंग-साम, किम डे-जुंग ने हमसे किए थे। किम युंग-साम साल 1996 में भारत आए थे। उस समय मैं बतौर राजदूत दक्षिण कोरिया में था। अपने भारत दौरे में किम युंग-साम ने कहा था कि वह भारत को अपना 'खास सहयोगी' बनाएंगे और निवेश व द्विपक्षीय कारोबार को गति देंगे। उसके बाद ही सैमसंग, एलजी जैसी तमाम दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने भारत में अपना कारोबार बढ़ाया। नतीजतन, आज दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार 20 अरब डॉलर के आसपास पहुंच गया है, जिसे 2020 तक 50 अरब डॉलर तक ले जाने का भरोसा मून जे-इन की इस यात्रा में दिया गया है।

> दक्षिण कोरिया के पास न तो उन्नत तकनीक की कमी है और न विशेषज्ञों व पूंजी की। फिलहाल भारत को इन सभी की सबसे ज्यादा जरूरत है।

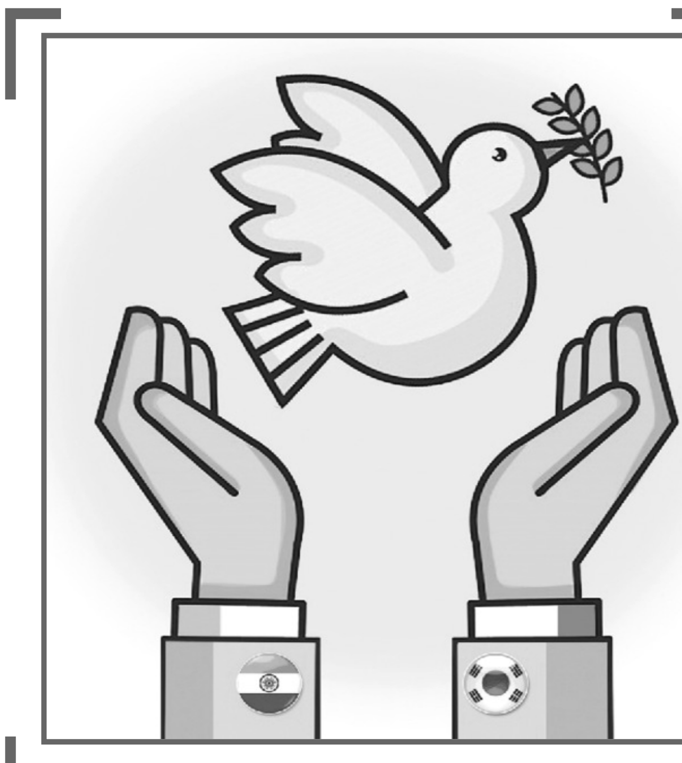

मंगलवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद जारी साझा बयान भी इसी की पुष्टि करता है। उसमें कहा गया है कि दोनों देश आपसी रणनीतिक साझेदारी मजबूत बनाने को लेकर संकल्पित तो हैं ही, समग्र आर्थिक साझेदारी (सीपीईए) को भी खासा मजबूत बनाएंगे। साफ है कि दोनों देश आपसी रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाने को लेकर संजीदा हैं। हालांकि इस दिशा में हमें अपने तईं भी काफी काम करना होगा। ओडिशा में पोस्को विवाद इसका एक ज्वलंत उदाहरण है, जिसे सबक के तौर पर लेना चाहिए। दक्षिण कोरियाई स्टील कंपनी पोस्को ने 2005 में ओडिशा सरकार के साथ एक इस्पात इकाई बनाने का समझौता किया था, जिसे 2010 तक तैयार होना था। इस संयंत्र पर दक्षिण कोरिया ने 12 अरब डॉलर के निवेश का भरोसा दिया था। मगर विवाद इतने गहराने लगे कि 2015 में पोस्को ने अपने कदम वापस खींचने का फैसला किया, और यह निवेश अधूरा छूट गया।

दक्षिण कोरिया, चीन, जापान जैसे देश यदि शीर्ष स्तर पर कोई फैसला लेते हैं, तो उस पर अमल करने की हरसंभव कोशिश करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो अपनी जी-जान तक लगा देते हैं। इसलिए हमें निवेश का अनुकूल माहौल बनाना होगा, ताकि निवेशकों को यहां कोई दिक्कत न हो। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मेक इन इंडिया' की सबसे बड़ी चुनौती भी है, जिसे जल्द ही दूर करने का भरोसा उन्होंने मून जे-इन के साथ नोएडा में सैमसंग मोबाइल प्लांट के उद्घाटन समारोह में दिया।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की यह यात्रा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था में भारत के कद को बढ़ाने वाला भी साबित हो सकता है। विशेषकर कोरियाई प्रायद्वीप में शांति बहाली में भारत खासा मददगार होगा। दक्षिण कोरिया ने आतंकवाद के मसले पर भी भारत का साथ देने की बात कही है। इसका अर्थ है कि उत्तर कोरिया और पाकिस्तान के बीच परमाणु और मिसाइल तकनीक की जो लेन-देन चलती रहती है, उस पर आने वाले दिनों में लगाम लग सकेगी। पाकिस्तान पर चीन के माध्यम से भी दबाव बन सकता है। चीन का अभी भले ही दक्षिण कोरिया से मजबूत आर्थिक संबंध है, पर भारत की अर्थव्यवस्था जिस तेज गति से आगे बढ़ रही है, उससे यह कयास गलत नहीं है कि 2035 तक हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक होंगे। इतना ही नहीं, योग्य मानव श्रम में भी हम दुनिया में सिरमौर होंगे। चूंकि दक्षिण कोरिया के आईटी क्षेत्र व कृत्रिम बौद्धिकता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को गति ऐसे ही कुशल मानव हाथों की जरूरत होगी, इसलिए वह हमारा साथ छोड़ने को शायद ही तैयार हो। ऐसी सूरत में हम दक्षिण कोरिया व जापान जैसे देशों के साथ संबंध बढ़ाकर चीन पर दबाव बना सकेंगे कि वह किसी तरह का बेजा फायदा न उठा पाए। समुद्री सुरक्षा को भी ध्यान में रखकर दोनों देशों ने समझौते किए हैं, जिसका इंडो-पैसिफिक में खासा असर पड़ेगा।

जाहिर है, दक्षिण कोरिया और भारत की मजबूत होती दोस्ती दोनों देशों के हित में है। वैसे भी, भारत ने कदम-कदम पर कोरिया प्रायद्वीप की स्थिरता में अपनी भागीदारी निभाई है। 1945 में जब संयुक्त राष्ट्र ने रिपैट्रीएशन कमिशन यानी देश-प्रत्यावर्तन आयोग का गठन किया था, तो भारत उसका अध्यक्ष था। बाद में भारत ने वहां अपना मेडिकल मिशन भी भेजा। कोरिया के लोग अब भी उन तमाम वाकये को याद करते हैं। रवींद्र नाथ टैगोर ने तो 1929 में कोरिया को लेकर कुछ पंक्तियां लिखी थीं- 'एशिया के स्वर्ण काल में/ कोरिया एक मशाल वाहक था/ वह मशाल आज भी इंतजार कर रही है/ उसे फिर एक बार प्रकाशित किया जाए/ जिससे कि पूरा पूरब जगमगा उठे'। यह दोनों देशों के बीच एक मजबूत व दीर्घकालिक रिश्ते की शुरुआत को चिह्नित करने वाली पंक्ति मानी जाती है। शुरुआत में इस द्विपक्षीय रिश्ते का दायरा छोटा था, मगर

हिरानी की संजू

तर्कसंगति की अप्रासंगिकता के बावजूद

सुनील मिश्र

रविवार का दिन था। शहर के मॉल्स में संजू फिल्म के टिकट आसानी से नहीं मिल पा रहे थे।
सिनेमाहॉल का आलम यह था कि लगभग दो घंटे चालीस मिनट लम्बी फिल्म को दर्शक खासी चुप्पी के साथ देख रहे थे। न ताली, न सीटी, न ही किसी किस्म का ओछा हल्ला-गुल्ला।

सालभर पहले जब राजकुमार हिरानी भोपाल आये थे पुरानी जेल को भीतर से देखने तब उनके साथ एक घंटे रहने और अनौपचारिक बातचीत का अवसर मिला था। एक-एक करके तीन-चार सफल और कमाऊ के साथ-साथ प्रशंसनीय फिल्में बना चुका यह आदमी छरहरे बदन का, मुस्कुराहट, स्थायी भाव और नपी-तुली बात करने वाला। फिल्म के उत्तरार्ध का एक बड़ा हिस्सा हिरानी ने यहां फिल्माया। संजू यों हर आम दर्शक की जानी-समझी जाने वाली कहानी है यानी यथार्थ है।
लगभग तीस साल तक सुर्खियों में रहने वाला घटनाक्रम और एक प्रमुख पात्र।

वे दृश्य दर्शकों के सामने एक नासमझ और अविवेकी युवा की छवि को सामने रखते हैं जो बिना कुछ हासिल किए अपने पिता की सराहना और तारीफ की कामना करता है। वह भी उस पिता से जिसका जीवन ही संघर्ष, त्याग और आदर्श स्थापित करने में बीता हो। चरित्र चित्रण में विभेद हैं।
निर्देशक ने पटकथा लेखक से जस का तस लिखवाकर उसको दृश्यों में बांट भी दिया है।
निर्देशक फिल्म बनाते हुए सावधान बहुत है, इसीलिए नायक के जीवन के उन औरों को नहीं छूता जो जोखिमपूर्ण हो सकते हैं।

फिल्मकार का जोर इस बात पर है कि वो विवादास्पद नायक की शख्सियत पर इतने वर्षों में हुए तमाम आक्रमणों और अतिक्रमणों को छुटाता चले। वह यहां पर उस महानायक के चरित्र को गढ़ते हुए भी लापरवाह है जो मुझे जीने दो, यादें, ये रास्ते हैं प्यार के, रेशमा और शेरा और दर्द का रिश्ता जैसी फिल्में बनाता है, वो जो देश की पदयात्रा करता है, वो जो निर्विवाद सांसद है, वो जो मुम्बई शहर का जिम्मेदार शेरिफ रहा है, वो जो देश पर आयी हर आपदा पर शहर में अपने साथी कलाकारों को लेकर धन संग्रह के लिए निकलता है, वो जिसका आदर हर विचारधारा का आदमी करता है। बावजूद इसके कि उसे इस बात का श्रेय भी है कि एक अरसे बाद वो ही उनको अपनी पहली फिल्म में जादू की झप्पी वाले प्यारे और दिलचस्प अन्दाज में लेकर आया था। निर्देशक इस चरित्र को ठीक से स्थापित नहीं करता।

माना कि परेश रावल एक कलाकार के रूप में बहुत गुणी और प्रतिभा सम्पन्न हैं लेकिन छह फीट एक इंच लगभग लम्बे और मध्यम स्वर की अत्यन्त स्वच्छ आवाज वाले सुनील दत्त को उच्च स्वर और अपेक्षाकृत छोटे कद के कारण बड़ी मेहनत के बावजूद साकार नहीं कर पाते। संजय दत्त के आरोपी बनने से लेकर सुनील दत्त की जिन्दगी तक लगभग पन्द्रह साल उनके जीवन की बड़ी वेदना और अशान्ति के रहे हैं, उसके बावजूद वे सहज और व्यवहार कुशल बने रहे बिना धैर्य-धीरज खोये। यह पक्ष हिरानी ने इसलिए विस्मृत कर रखा होगा क्योंकि इससे उनके बाजार के समृद्ध होने की गुंजाइश नहीं थी।

ऐसा ही कुछ नरगिस की भूमिका निभाने वाली मनीषा कोइराला के साथ हुआ है। वे दृश्य में आती ही तब हैं जब बीमार हो चुकी होती हैं। इसके बावजूद उनका चेहरा, उस पीड़ा और व्यथा का साक्ष्य नजदीक के दृश्यों में व्यक्त भी करता है।
रणबीर कपूर को संजय दत्त होने में जितनी मेहनत करनी पड़ी, उससे अधिक उन्होंने युक्तियों का प्रयोग किया है। उन्होंने संजय दत्त की चाल की नकल की है, भंवें चढ़ाकर, आवाज़ में वो असर पैदा करते हैं और इतना ही वे कर भी सकते थे। यह फिल्म अपने नायक को विवेकहीन अधिक साबित करती है जो आसानी से मादक पदार्थ तुरन्त बने मित्र से स्वीकार करता चला जाता है। वह व्यक्ति जो मृत्युशैया पर पड़ी मां के प्रति भी संवेदनशील नहीं है और एक आदर्श पिता के प्रति तमाम विद्रोही भाव रखता है।

कुल मिलाकर संजू इस वक्त की एक चर्चित फिल्म है राजकुमार हिरानी के खाते में एक और बाजार पर काबिज होने वाली फिल्म चढ़ गयी है, जिससे वे अपने गुरु विधु विनोद चोपड़ा और मित्र संजय दत्त के प्रति अपने उपकृत होने का फर्ज अदा करेंगे। सबसे मौजूं तो यही लगता है कि राजकुमार हिरानी संजू की जगह सुनील बनाते, एक बड़े अभिनेता, निर्देशक, सार्वजनिक जीवन में आदर्श उपस्थित करने वाले एक कलाकार के जीवन और व्यक्तित्व को रेखांकित करते जो मदर इंडिया का वो बिरजू है जिसके लिए उसकी मां भगवान है, वही मां जिसकी बन्दूक से वह मरता है और मरते समय उसके हाथ में मां का कंगन है। ऐसे कलाकार, व्यक्तित्व के जीवन का एक संत्रासद पक्ष, उसके बेटे का एक गुनाह में गहरे फंस जाना और उससे मुक्त होने की यात्रा जो अब सम्पन्न हो चुकी है।

मुद्दा

जीव संरक्षण पर ऐतिहासिक निर्णय

जाहिद खान

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने हाल ही में अपने अनूठे फैसले में राज्य के दायरे में हवा, पानी और पृवी पर रहने वाले सभी जीवों को विधिक व्यक्ति का दरजा दिया है यानी उन्हें मनुष्य जितने अधिकार, कर्तव्य और जिम्मेदारियों से नवाजना। अदालत ने साफ कहा कि जानवरों की भी अलग शख्सियत होती है। जिंदा इंसानों की तर्ज पर उनके पास भी अधिकार, कर्तव्य और उत्तरदायित्व होते हैं। इसके साथ ही अदालत ने राज्य के लोगों को इन तमाम जीवों का संरक्षक यानी पालनहार घोषित किया है। उत्तराखंड हाई कोर्ट के सीनियर जज राजीव शर्मा और जज लोकपाल सिंह की पीठ ने अपने ही तरह का यह एक अलग फैसला बनबासा चंपावत निवासी नारायण दत्त भट्ट की जीव क्रूरता पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। उत्तराखंड हाई कोर्ट में साल 2014 में दायर इस याचिका में याचिकाकर्ता ने अदालत से भारत के बनबासा से नेपाल के महेन्द्र के बीच 14 किमी की दूरी में चलने वाले घोड़ा, बुग्गी, तांगा, भैंसा गाड़ियों में जुते जीवों का जिक्र करते हुए उनकी सेहत, समय पर जांच, टीकाकरण आदि की सुविधा मुहैया कराने की अपील की थी। बहरहाल, अदालत में जब सुनवाई शुरू हुई तो उसने इन जानवरों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए जीवों पर बरती जाने वाली क्रूरता को गलत माना। जीव प्रजाति के संरक्षण के लिए उन्हें विधिक व्यक्ति का दरजा देने का फैसला किया। अदालत ने अपने निर्देशों में जानवरों की सुरक्षा के लिए जानवरों और बग्गियों पर फ्लोरोसेंट रिफ्लेक्टर्स लगाने, जानवरों द्वारा खींची जाने वाली खाली गाड़ियों के वजन का सर्टिफिकेट लेने, घोड़ों, बैलों और लावारिस जानवरों के लिए उपयुक्त आकार का शेड अनिवार्य तौर पर बनाने के भी निर्देश दिए हैं। अलग-अलग गाड़ियों में माल ढुलाई के लिए लगाए गए जीवों के लिए दूरी और फेरों के हिसाब से भार ढोने की सीमा भी तय की है। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने ही अपने एक दीगर फैसले में ग्लेशियरों, हिमालय और गंगा नदी के जीवों को ''लिविंग एन्टिटी' यानी जिंदा इकाई माना था। अदालत ने गंगा और यमुना नदी को जीवित व्यक्ति की तरह मानते हुए इनको साफ सुथरा बनाए जाने के साथ ही संरक्षण पर जोर दिया था। गंगा और यमुना, दोनों नदियों को कानूनी अधिकार दिए थे। यह बात अलग है कि शीर्ष अदालत ने यह आदेश निरस्त कर दिया। जानवरों के हक में आया हालिया आदेश कितने दिन कायम रहेगा, यह तो वक्त बतलाएगा। जानवरों की छोड़ें, हमारे यहां तो इंसान ही इंसानों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। समाज में एक इंसान दूसरे के साथ भेदभाव या अत्याचार करता है। बंधुआ मजदूरी गैर-कानूनी है, लेकिन देश के कई हिस्सों में जारी है। ऐसे हालात में जानवरों के प्रति लोग संवेदनशील होंगे, उन पर अत्याचार नहीं करेंगे, यह दूर की बात है। संविधान के अनुच्छेद 51 (1) के मुताबिक हर जीवित प्राणी के प्रति सहानुभूति रखना नागरिक का मूल कर्तव्य है। पशुओं पर क्रूरता रोकने के लिए ''पशु क्रूरता निवारण कानून, 1960' है। इसमें पशुओं पर अत्याचार, क्रूरता, बर्बरता, निर्दयता करने वालों पर सजा का प्रावधान है। कानून के तहत पशुओं पर अधिक बोझ लादना, ट्रकों में ठूंस-ठूंसकर भरना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते समय उनको कष्ट पहुंचाना कानूनी अपराध है। ''प्रिवेंशन ऑफ क्रूएलिटी ऑन एनिमल्स एक्ट (पीसीए), 1960' के तहत किसी पशु को आवारा छोड़ने पर तीन महीने की सजा हो सकती है। जानवर को पर्याप्त भोजन, पानी, शरण देने से इंकार करना और लंबे समय तक बांधे रखना दंडनीय अपराध है। इसके लिए जुर्माना या तीन महीने की सजा या फिर दोनों हो सकते हैं। पशुओं के कल्याण के लिए पशु कल्याण बोर्ड का भी गठन हुआ। बावजूद इसके मूक, बेबस, बेसहारा प्राणियों को इन कानूनों का फायदा नहीं मिलता। हर राज्य में पशु कल्याण बोर्ड हैं जरूर पर पशुओं के कल्याण पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। इन्हें जरूरी नहीं लगता कि वे इंसानों के अत्याचारों से जानवरों को बचाएं। कुछ स्वयंसेवी संगठनों को छोड़ दें तो जानवरों के अधिकारों की आवाज कोई नहीं उठाता। यही वजह है कि उत्तराखंड हाई कोर्ट ने पशुओं के खिलाफ क्रूरता रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए और इंसानी समाज को ही संरक्षक यानी पालनहार घोषित किया। अब यह इंसानी समाज की जिम्मेदारी है कि वह जहां भी पशुओं पर क्रूरता और अत्याचार देखे उसके बचाव के लिए सामने आए।

संक्षिप्त

जिले को मिले ५०० नए सिपाही

बस्ती, आरक्षी पद पर चयनित अभ्यर्थी कल बस्ती पहुंच गए। जिले को 500 नए सिपाही मिले हैं। इनमें 400 पुरुष व 100 महिला सिपाही शामिल हैं। जिले में पहुंचे सिपाहियों के रहने व प्रशिक्षण का प्रबंध कर लिया गया है। पुलिस लाइन में 100 महिला आरक्षियों के रहने व प्रशिक्षण का प्रबंध किया गया है। इसके अलावा 400 पुरुष सिपाहियों में से 200 को नगर बाजार और 200 को कप्तानगंज थाने में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था बनाई गई है। इनके प्रशिक्षण से लेकर भोजन तक का प्रबंध थाने पर ही किया गया है। नए आरक्षियों की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद थानों से लेकर चौकियों व महत्वपूर्ण ड्यूटी के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की उपलब्धता हो सकेगी।

घर में उतरा करंट महिला झुलसी

घोरावल (सोनभद्र), स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के खड़देउर गांव में कल सुबह एक घर में हाई वोल्टेज से करंट उतर गया। उसकी चपेट में आने से एक महिला झुलस गई। परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल में भर्ती कराया। वहां डाक्टरों ने उसकी हालत में सुधार बताया। सुबह अचानक हाई वोल्टेज करंट घर में उतरने के कारण निशा देवी (५०) पत्नी जगदीश पटेल झुलस गई। वह आंगन में बर्तन साफ कर रही थी। इसी दौरान उनकी निगाह बोर्ड पर जलते तार पर पड़ी। दौड़कर तार को बोर्ड से दूर करने पहुंची। पास में रखे डंडे से तार को हटाने की कोशिश की लेकिन उन्हें ही करंट लग गया। इस दौरान जमीन पर गिरने से उनका सिर फट गया और घायल भी हो गई। जगदीश पटेल ने बताया कि हाई वोल्टेज करंट के प्रभाव से घर के तार जल गए और उनका पंखा भी जल गया। बच्चू लाल, संतोष, रमेश के घर में लगे विद्युत उपकरण भी जल गए।

प्रथमदेव के शिवमंदिर के संत का निधन

अतरौलिया (आजमगढ़), क्षेत्र के पौराणिक स्थल बाबा प्रथमदेव के शिव मंदिर के संत रामप्रीत गोस्वामी का बुधवार को सुबह निधन हो गया। गोस्वामी 90 वर्ष के थे। गोस्वामी का अंतिम दर्शन करने के लिए दोपहर तीन बजे का समय निर्धारित किया गया। शाम पांच बजे के बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्रथम देवस्थान के समीप ही उनको समाधि दे दी गई। रामप्रीत गोस्वामी बहिरा देव स्थान के चौथी पीढ़ी के संत थे। भू समाधि के दौरान इनके उत्तराधिकारी हीरा लाल गोस्वामी द्वारा धर्म के रीति-रिवाजों के अनुसार देवस्थान के समीप स्थित सरोवर के बगल में भू समाधि दिया गया। क्षेत्र के हजारों महिला पुरुष गोस्वामी के उनके विचारों धार्मिक अनुष्ठान का गुणगान करते रहे थे। इस मौके पर पप्पू सिंह, राकेश, वीरेंद्र सिंह, लल्लन गिरी, लालमन गिरी, नीतीश कुमार, रामचंद्र कनौजिया, विमलेश सिंह, शिवनाथ, ओमप्रकाश आदि रहे।

आग से झुलसा युवक, गंभीर

अंबेडकरनगर, राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र में आग की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया। मामला उक्त थाना क्षेत्र के दुबौली गांव का है। गांव निवासी रामदयाल (१८) पुत्र मंगल गत शाम घर में चूल्हे पर खाना पका रहा था। इस दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी की चपेट में आने से वह गंभीर रुप से झुलस गया। आग को काबू में कर परिवारीजनों ने उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उपचार चल रहा है।

असलहा के बल पर मोटर साइकिल लूटी

संतकबीर नगर, कोतवाली खलीलाबाद अंतर्गत डंडवा गांव के पास तीन बदमाशों ने असलहे के बल पर पोल्ट्री फार्म व्यवसायी से मोटर साइकिल लूट ली। इसके बाद तीनों दो मोटर साइकिल से फरार हो गए। पुलिस ने नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश में लगी है। खलीलाबाद के बंजरिया निवासी असलम पुत्र समीउल्लाह के रायपुर छपिया स्थित पोल्ट्री फार्म पर एक माह से झारखंड के सोन गांव जिला बिलासपुर निवासी राजदुलार पुत्र वैशाखराम कार्य कर रहे है। मोटर साइकिल से रस्सी लेने के लिए डोडवा चौराहे पर गए थे। लौटते समय राष्ट्रीय राजमार्ग थोड़ी ही दूर पर पीछे से मोटर साइकिल सवार तीन लोगों ने उसे ओवरटेक किया। करीब 100 मीटर आगे जाने पर बदमाशों में से एक ने अपाची सवार को धक्का देकर नहर में गिरा दिया।

शादी से एक दिन पहले करंट लगने से युवक की मौत

देवरिया, जेनरेटर में पानी डालने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। रामपुर कारखाना के हरैया बसंतपुर टोला झंगहा निवासी मुसाफिर का बेटा रिजवान चार वर्ष बाद विदेश से घर आया था। बुधवार को उसका निकाह गौरीबाजार इलाके में होना था। रात परिवार के लोग धूमधाम से रस्में अदा कर रहे थे। रात रिजवान जेनेरेटर में पानी चेक करने चला गया। पानी डालने के दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कुछ देर बाद घर की महिलाएं उसे खोजते हुए जेनेरेटर के पास पहुंची तो उनके होश उड़ गए। हादसे में इकलौते बेटे की मौत से पिता और मां सदमे में आ गए। दोनों परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए शव को दफन कर दिया।

गम में बदलीं खुशियां गांव में छाया मातम

जगदीशपुर (अमेठी), नियति के खेल कोई नहीं जान सकता है। परिवार की खुशियों को एक हादसे ने गम में बदल दिया। एक साथ एक ही परिवार की तीन जिंदगियों के जाने से घर में ही नहीं पूरे गांव में मातम छा गया। वहीं साथ में गए चालक की भी हादसे में जान चली गई। स्थानीय थानाक्षेत्र के सरेसर गांव निवासी राजकरन पांडेय लड़की की शादी के लिए वरिक्षा देने हलियापुर के डेहरियावां गांव के लिए निकले थे। फैजाबाद-रायबरेली मार्ग पर गांव से पहले ही एक ट्रेलर ने वाहन को आगे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो की जगदीशपुर सीएचसी में मौत हुई। घटना में राजकरन के भाई रामकेश्वर पांडेय व फूफा हनुमान पांडेय के मौत की खबर जब गांव में पहुंची तो घर में मातम छा गया। परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे और बदहवास हो गए।

देश का सबसे बड़ा व पूर्वी उ. प्र. की लाइफ लाइन बनेगा पूर्वांचल एक्सप्रेस वे-मुख्यमंत्री

आजमगढ़, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस वे होगा। पूर्वांचल की यह लाइफ लाइन होगी। इस पर प्लेन व लड़ाकू विमान भी जरूरत पर उतर सकेंगे। देश के प्रधानमंत्री १४ जुलाई को इसका शिलान्यास करेंगे। इस परियोजना को ३० माह में पूर्ण करने का लक्ष्य है। सपा पर कमेंट करते हुए कहा कि बिना टेंडर के लूटपाट के लिये इसका शिलान्यास किया गया था। योगी ने कहा कि आजमगढ़ से हवाई सेवा शीघ्र शुरू होगी। मुख्यमंत्री पीएम के प्रस्तावित १४ जुलाई के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के बाद विमान से वाराणसी के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी १४ तारीख को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का शिलान्यास करने के लिए आजमगढ़ आ रहे हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस वे

होगा जिसे रिकार्ड ३० महीने में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस एक्सप्रेस वे के दोनों तरफ औद्योगिक कारिडोर बनाया जाएगा एवं अयोध्या के पास लड़ाकू विमान बोइंग विमान और एयर बस उतारने की भी व्यवस्था बनाई जाएगी। पूर्व की समाजवादी सरकार ने इस एक्सप्रेस वे के नाम पर लूट खसोट की दुर्भावना से बिना भूमि का अधिग्रहण किये टेंडर पास कर दिया था लेकिन भाजपा सरकार में उसी कार्य के लिए पूर्व में जारी टेंडर के सापेक्ष २००० करोड़ रुपया कम लागत से एक्सप्रेस वे निर्मित कराने का टेंडर पास किया है अर्थात सरकारी खजाने में २००० करोड़ की बचत होगी । योगी पीएम के आगमन की अब तक की तैयारियों का जायजा लेने के बाद अफसरों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। पार्टी पदाधिकारियों को भीड़ जुटाने के साथ मुकम्मल सफाई व पेयजल के इंतजाम को भी कहा।

दिल्ली से आई पीएमओ की टीम ने बीएचयू में खींचा एम्स का खाका

वाराणसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान को नई एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के

समान दर्जा बनाने की प्रक्रिया के तहत खाका खींचने के लिए नई दिल्ली से आई पीएमओ की टीम ने कल विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय में बैठक की। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक प्रो. बलराम भार्गव, एम्स नई दिल्ली के निदेशक डा. रंदीप गुलेरिया के अगुवाई में टीम ने सर सुंदरलाल अस्पताल, निर्माणाधीन सुपर सोइसीयलिटी काम्प्लेक्स, कैंसर सेंटर, ट्रामा सेंटर और डेंटल संकाय का निरीक्षण किया। इस दौरान एम्स और आईएमएस के गैप का विश्लेषण किया। आईएमएस को एम्स के समान दर्जा दिलाने के लिए टीम तुलनात्मक रिपोर्ट तैयार किया। इस टीम में एम्स के निदेशक सहित कई विभागों के प्रमुख भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मरीजों के हित वाले इस काम को मूर्तरूप देने के लिए एक अंतर विश्लेषण कमेटी गठित की है। इसके चेयरमेन प्रो. भार्गव को बताया गया है। मालूम हो कि पीएम नरेंद्र मोदी की पहल पर पूर्वांचल, बिहार सहित विभिन्न राज्यों की करीब २० करोड़ जनता के हित के लिए बीएचयू को नई सौगात दी जा रही है। इसके तहत यहा के अस्पतालों को प्रति बेड करीब २० लाख रुपये मिलने लगेगा। यानी बीएचयू अस्पताल को हर साल करीब ४०० करोड़ रुपये मिलने लगेगा। यहा आने वाले मरीजों को मुफ्त में चिकित्सा सेवा मिलने लगेगी। इसी कड़ी में कल हुई बैठक में संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों को बुलाया गया था। शुरुआत में माडर्न मेडिसिन, डेंटल, आयुर्वेद संकाय व नर्सिंग कालेज की तुलनात्मक रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. राकेश भटनागर, प्रो वीके शुक्ला, प्रो जेपी ओझा, प्रो नीलम मित्तल, प्रो वाइबी त्रिपाठी, डा ओपी उपाध्याय, प्रो रायना सिंह, प्रो संजीव गुप्ता, प्रो ओपी मिश्र, प्रो नरेश शर्मा, प्रो टीपी चतुर्वेदी आदि मौजूद थे।

ब्लाक प्रमुख अविश्वास के लिए प्रशासन ने की तैयारी

लम्भुआ (सुल्तानपुर), मौजूदा ब्लाक प्रमुख के अविश्वास को लेकर भाजपा और सपा के साथ पुलिस-प्रशासन ने भी तैयारियां की हैं। फ्लोर टेस्ट का खाका अभी से तैयार हो गया है। बीडीसी सदस्यों की इस बैठक की अध्यक्षता खुद एसडीएम करेंगे। जिलाधिकारी विवेक ने आगामी १६ जुलाई को ब्लाक प्रमुख के अविश्वास के लिए सदन में फ्लोर टेस्ट की तारीख तय की है। इसके लिए उपजिलाधिकारी डा.रमेश कुमार शुक्ल को नोडल अफसर बनाया गया है। बीडीओ अमरनाथ शुक्ल के मुताबिक सभी बीडीसी सदस्यों को बैठक की सूचना रजिस्टर्ड डाक से भेजी गई है। बैठक को शांतिपूर्ण तरीके से निपटने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है। सदन में शामिल होने वाले बीडीसी सदस्यों की मतदाता सूची एसडीएम, बीडीओ और प्रभारी निरीक्षक को उपलब्ध कराई जा चुकी है। उपजिलाधिकारी डा.रमेश कुमार शुक्ल ने बताया कि सोमवार, 16 जुलाई को पूरे ब्लाक रोड को सील कर दिया जाएगा। इस रोड की दुकानें बंद रहेंगी। इस मार्ग से आम लोगों का आवागमन भी रोक दिया जाएगा। मुख्य गेट और भीतर मौजूद सुरक्षा कर्मी व मजिस्ट्रेट बीडीसी सदस्यों की पहचान हो जाने के बाद ही सदन तक पहुंचने देंगे। सदन में सिर्फ बीडीसी सदस्य ही पहुंचेंगे। खुद ब्लाक प्रमुख मीना यादव भी बतौर सदस्य सदन में पहुंचेंगी। इस मौके पर भारी सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

सेंध काटकर तीन घरों से लाखों की चोरी

प्रतापगढ़, नगर पंचायत कुंडा के समापुर मोहल्ले में कल रात चोरों ने तीन घरों में सेंध काटकर नकदी समेत लाखों रुपये के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। सुबह घटना की जानकारी होने पर पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पीड़ितों ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। कुंडा कोतवाली क्षेत्र के समापुर गांव निवासी श्यामलाल के तीन बेटे हैं। तीनों बेटों ने आसपास अपना-अपना मकान बनवा रखा है। रात तीनों के परिजन खाना खाकर गर्मी अधिक होने के कारण घर के बाहर सो रहे थे। देर रात चोर पहले सजीवन के घर में सेंध काटकर तीन हजार रुपये नकद व हजारों रुपये का सामान उठा ले गए। इसके बाद चोर नरेश के घर में सेंध काटकर घुस गए और घर के अंदर रखा बाक्स व खाद्यान्न उठा ले गए। बाक्स में 15 हजार रुपये नकद व लाखों रुपये का आभूषण रखा हुआ था, जिसे चोर लेकर चले गए। इसके बाद चोर पड़ोस के सुरेश कुमार के घर में सेंध काटकर घुस गए। चोरों ने उसके घर से दस हजार रुपये नकद व लाखों रुपये के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। सुबह एक साथ तीन घरों में लाखों की चोरी का मामला जब लोगों को हुई तो भारी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। खोजबीन के बाद भी चोरों का पता नहीं चला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। पीड़ितों ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। इस बाबत कोतवाल एके मिश्रा का कहना है कि तहरीर मिली है मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

इलाहाबाद में पहली बरसात में ही आफत, एक बच्चे सहित ४ की मौत

इलाहाबाद, संगमनगरी इलाहाबाद में मानसून सत्र की पहली बारिश आफत लेकर आ गई। करीब एक घंटे की बरसात में शहर पानी में सराबोर हो गया। नगर निगम की घोर लापरवाही के कारण जगह-जगह पर खुदे गड्ढों में पानी भर गया। सलोरी में दीवार गिरने के कारण तेज रफ्तार से पानी घर में घुसा, जिसके कारण चार बच्चे बह गए। बारिश के कारण एक बच्चे के साथ चार लोगों की मौत हो गई। इसके बाद फूलपुर के सांसद ने ठीकरा प्रशासन पर फोड़ा है। इलाहाबाद में कल शाम बारिश राहत के साथ आफत बनकर आ गई। इस बारिश ने एक बच्चे समेत तीन की जान ले ली। सलोरी के ओम गायत्री नगर में ईश्वर शरण विकास विद्यालय की चहारदीवारी तेज बारिश के कारण ढह गई। इसके बाद पानी अंदर घुस गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि वहां खेल रहे चार बच्चे अनिकेत गुप्ता (12)

पुत्र घनश्याम गुप्ता, शिखर (11) पुत्र जयसिंह, आदित्य (12) व शिवम (10) पुत्रगण सीमा वर्मा बह गए। शिवम व आदित्य तो बच गए मगर अनिकेत व शिखर पानी में बह गए। दोनों के शोरगुल करने पर लोग दौड़े और लापता बच्चों की तलाश करने लगे। इसके बाद अनिकेत का शव चहारदीवारी से लगभग 50 मीटर दूर मिला जबकि शिखर की तलाश देर रात तक की जाती रही। स्थानीय लोगों के साथ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंच गए। दूसरी ओर छोटा बघाड़ा में छात्र सतीश यादव निवासी प्रतापपुर की करंट लगने से मौत हो गई। बारा के ललई गांव में शकीरुल निशा (17) बारिश के दौरान घर के बाहर थी तभी बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। मीरापुर में ललिता देवी मंदिर के पास प्रतिमा चक्रवर्ती के घर में स्थित पेड़ पर बिजली गिर गई, जिससे उनका गेट क्षतिग्रस्त हो गया। जाफरी कालोनी में चहारदीवारी जमींदोज होने से दो लोग घायल हो गए। शहर के सलोरी में बरसात के चलते दीवार गिरने से बच्चों की मौत हो जाने पर समाजवादी पार्टी के सांसद नागेंद्र सिंह पटेल ने पीड़ितों के घर पहुंचकर शोक व्यक्त करते हुए प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की है। सपा सांसद को स्थानीय लोगों ने बताया कि बहुत पुरानी चहारदीवारी पर फिर से ऊंचाई बढ़ा दी गई थी। पानी निकासी के लिए कोई रास्ता नहीं है। नगर निगम एवं एडीए ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। इतना ही नहीं इतना बड़ा हादसा होने के बाद भी प्रशासनिक अधिकारियों का अता पता नहीं है। सांसद नागेंद्र सिंह पटेल पीड़ितों से मिलने के बाद बड़े नाले पर भी पहुंचे जहां लापता हो गए बच्चे को खोजा जा रहा है। उन्होंने नगर निगम की टीम से प्रगति की जानकारी ली तथा फोन पर उच्चाधिकारियों से बात कर घटना स्थल पर लोहे की जाली तत्काल लगाने की मांग की। सांसद पटेल ने प्रशासन पर पूरी तरह से लापरवाही का आरोप लगाया है।

स्कूल भवन जर्जर, बरामदे में बैठकर पढ़ते हैं छात्र

गोंडा, शिक्षा क्षेत्र छपिया में 128 प्राथमिक व 50 जूनियर विद्यालय संचालित हो रहे हैं

लेकिन यहां अधिकतर स्कूल भवन जर्जर हैं। जिससे अध्यापक छात्रों को कमरे में बैठाकर पढ़ाने के बजाए बरामदा या फिर खुले में पढ़ाते हैं। मूलभूत सुविधाओं से छात्र वंचित हैं। ऐसे में किसी के पास किताबें नहीं तो कोई बिना ड्रेस के ही स्कूल आ रहा। शौचालय निष्प्रयोज्य पड़े हैं। साथ ही कई अन्य समस्याओं छात्र व शिक्षक दोनों परेशान हैं। यहां प्रधानाध्यापक छात्रों को ड्रेस वितरित कर रहे थे। विद्यालय बाउंड्री विहीन है। विद्यालय से सटा गड्ढा है। जिससे अनहोनी का आशंका बनीं रहती है। शौचालय पूरी तरह बेकार है। मुख्य भवन कंडम घोषित कर दिया गया। अतिरिक्त कक्षा कक्ष में बैठकर छात्र पढ़ाई करते हैं। हैंडपंप रि-बोर की स्थिति में पहुंच चुका है। प्रधानाध्यापक मुबीन खान ने बताया कि ५५ छात्रों का नामांकन है। जिसके सापेक्ष ३४ छात्र आए हैं।

बिना काम कराए डकार गए ४४.५१ लाख

वलीदपुर (मऊ), प्रदेश में सरकार चाहे किसी की भी हो भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी अपने मंसूबों में सफल हो ही जाते हैं। इसका जीता जागता प्रमाण है क्षेत्र के ग्राम खलिसा में बिना सड़क निर्माण कराए ही 44.51 लाख रुपए भुना लिया गया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लिखित शिकायत कर जांच कराने की मांग किया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया है कि नाबार्ड योजना के अंतर्गत 2012-13 में सड़क चयनित हुआ था। प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग द्वारा वलीदपुर खालसा से बरहता संपर्क मार्ग की लंबाई एक किलोमीटर है। कागजों में 44 लाख 51 हजार रुपये में विभाग द्वारा सड़क का निर्माण दिखाया गया है। विभाग द्वारा यहां बोर्ड भी लगाया गया है परंतु अभी तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ। सड़क उसी तरह क्षत-विक्षत पड़ा हुआ है। सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर इधर-उधर उखड़ कर बिखरे हुए हैं। इससे ग्रामीणों एवं बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी असुविधा हो रही है। सड़क के क्षतिग्रस्त होने से राहगीर आए दिन गिरकर चोटिल होते रहते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग ने इस सड़क का फर्जी भुगतान करा लिया है।

अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के ३ सदस्य गिरफ्तार

जलालपुर (जौनपुर), पुलिस ने अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। चोरी की टेम्पो, बाइक, दो पिकअप के साथ तीन आरोपित को गिरफ्तार किया है, जबकि इस गिरोह में शामिल अन्य फरार बताए जा रहे हैं। थानाध्यक्ष तहसीलदार सिंह ने बताया कि गश्त पर निकले पराऊगंज पुलिस चौकी इंचार्ज संतोष पाठक पुलिस कर्मियों के साथ कल भोर में ओईना नहर

पुलिया पर वाहन चेकिंग कर रहे थे, तभी ओईना गांव की तरफ से जलालपुर जा रही पिकअप को पुलिस ने रोककर गाड़ी का कागजात मांगा तो वह नहीं दे पाया। सख्ती से पूछताछ की गई तो पिकअप चोरी की होने की बात कही। इसके बाद पुलिस पिकअप सवार राकेश उर्फ सोनू, भोंदू उर्फ अजीत दोनों निवासी बैरगियां (नेवादा) और बबलू उर्फ जोगेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया। इनकी निशान देही पर पुलिस ने चंवरी बाजार में एक कमरा में बंद कटी पिकअप, एक टेम्पों और एक अपाचे बाइक को बरामद किया। कटी हुई पिकअप पर इंजन, कमानी, टायर, टंकी, रेडिएटर सहित अन्य सामान लदा हुआ था। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपितों ने बताया कि उनका एक गिरोह है, जिसका सरगना वाराणसी जनपद के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र (भिटारी मोहल्ला) का निवासी शिवपूजन है। उसके विरुद्ध वाराणसी, समेत अन्य जनपदों में मुकदमा दर्ज हैं। वे चोरी का काम भदोही, चंदौली, मिर्जापुर, बलिया, जौनपुर समेत आसपास के जनपदों में सक्रिय है, जबकि इस गिरोह में शामिल शीतला प्रसाद प्रजापति, अशोक निषाद उर्फ बाबा, शिवपूजन पासी वाराणसी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। बाइक छिपाकर चोरी का दर्ज कराया था मुकदमा पुलिस चौकी इंचार्ज संतोष पाठक ने बताया कि वाहन चोर गिरोह का आरोपित व क्षेत्र के हरीपुर गांव का निवासी शीतला प्रसाद प्रजापति ने अपाचे बाइक के चोरी का मुकदमा जलालपुर थाना में साल 2017 में दर्ज कराया था। इस बाइक को चंवरी बाजार के पास उसी के कमरे में छिपाकर रखा गया था। जहां पर कटी हुई पिकअप, टेम्पों आदि छिपाई गई थी। ऐसा करने का उद्देश्य इंश्योरेंस कंपनी से रुपये लेना था।

ट्रेन में मिले गहनों व पैसों से भरा बैग पुलिस ने लौटाया

बलिया, माडल रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने कल ट्रेन में मिले गहनों व पैसों से भरा बैग वापस कर दिया। आरपीएफ प्रभारी अमित राय के हाथों गहनों से भरा बैग पाकर यात्री खुश हो गया। गोंदिया एक्सप्रेस के कोच संख्या एस-वन में एक लावारिस बैग पड़ा जवानों को मिला। इसको आरपीएफ प्रभारी अमित राय के निर्देश पर बलिया पोस्ट पर उतार लिया गया। पुलिस की तलाशी में इसमें सोने का एक मांगटिका, सोने की नथिया, चांदी का लाकेट व चेन, सिंहोरा

व नए कपड़े थे। इसकी कीमत लगभग ६० हजार रुपये थी। आरपीएफ ने इस बैग को ज्वेलरी दुकानदार का नंबर था। पुलिस ने इस नंबर पर संपर्क किया तो उसने ग्राहक नाम व पता बताया। पुलिस के सूचना पर बलिया पहुंचे वैशाली जिले के गंगा राम निवासी लवतन थाना करतहा ने बैग की पहचान की। बताया कि बेटी की शादी अभी कुछ दिन पहले किया था। वह अपनी ससुराल वालों के साथ गोदिया एक्सप्रेस से सतना के लिए जा रही थी। अभी छपरा ही पहुंचे थे कि अचानक माता जी कि तबीयत खराब होने की सूचना पाकर जल्दबाजी में छपरा में ही उतर गई। घर पहुंचने पर बैग गायब होने की जानकारी हुई। आरपीएफ प्रभारी ने टिकट व जांच पड़ताल के बाद उसे लौटा दिया।

जनसंख्या नियंत्रण से कई समस्याओं का होगा निदान-हरिओम पांडेय

अंबेडकरनगर, सांसद डा. हरिओम पांडेय ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण से ही अनेकों समस्याओं का निदान होगा। इस पर सभी नागरिकों को विचार करना होगा नहीं तो वर्ष २०३० तक स्थिति भयावह होगी।

यही हाल रहा तो भारत जनसंख्या के मामले में प्रथम स्थान पर होगा। विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ सांसद ने जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य मेला का फीता काटकर किया। इसके अलावा सारथी प्रचार वाहन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सांसद ने मेले में लगे सभी स्टालों का निरीक्षण कर जानकारी ली। इस मौके पर सांसद ने अधिकारियों को निर्देश भी दिया कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ हरहाल में जरूरतमंदों को मिलना चाहिए। केंद्र व प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं को लागू करने में कोई भी लापरवाही न बरतें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि इसका लाभ सभी को मिले। सांसद ने स्वयं अपना ब्लड प्रेशर जांच करवाया। प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सालिकराम पासवान ने बताया कि इन १५ दिनों में विभाग द्वारा जागरूकता एवं आरसीएच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत एक सारथी वाहन पूरे जिले में घूमेगा। इसके माध्यम से परिवार नियोजन के बावत प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जिला परिवार कल्याण विशेषज्ञ रीतेश कुमार ने अंतरा इंजेंक्शन व छाया टैबलेट के बावत लोगों को जानकारी दी। इस मौके पर अपर निदेशक फैजाबाद डा. राजेंद्र कपूर, सीएमएस डा. एसपी गौतम, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. ओपी गुप्त, डा. एके गुप्त, डा. हेमंत कुमार, डा. आशुतोष सिंह, डा. नवनिधि मिश्रा, डीपीएम अजय सिंह, डीपीओ शेषनाथ वर्मा, आरती यादव के अलावा एएनएम और आशाएं मौजूद रहीं।

मकान तोड़ते समय ढही छत, मजदूर की मौत

गोंडा, जर्जर मकान को तोड़ते समय भरभराकर छत गिर गई। छत के मलबे के नीचे दबकर मजदूर की मौत हो गई। मजदूर के पुत्र समेत दो अन्य घायल हो गए। थाना क्षेत्र के वीरपुर ग्राम पंचायत के डीहा गांव में विनोद कुमार मिश्र के घर के पीछे एक जर्जर मकान की छत को मजदूर तोड़ रहे थे। इसी बीच मकान की पूरी छत ढह गई। छत के मलबे के नीचे इसी गांव के गंगादीन पुरवा निवासी मोहम्मद वकील (४५) दब गया, जिसे ग्रामीणों की सहायता से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। अधीक्षक बीके सिंह ने बताया कि हालत चिंताजनक होने के कारण उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था।

सूखाग्रस्त घोषित हो जनपद-डा. नीलम मिश्रा

ज्ञानपुर (भदोही), जिले को सूखाग्रस्त घोषित किए जाने, कोतवाली गोपीगंज में मृत रामजी मिश्र की मौत मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को दंड दिए जाने सहित कई अन्य मांगों को लेकर कल कलेक्ट्रेट पर कांग्रेसजनों ने प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी को पत्रक सौंपकर चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। कांग्रेस की जिलाध्यक्ष डा. नीलम मिश्रा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे कांग्रेसजनों ने कहा कि बारिश न होने से किसान परेशान हैं। धान की रोपाई नहीं हो पा रही है। किसानों की चिंता बढ़ गई है कि कैसे खेती का कार्य होगा। लेकिन किसानों की समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यहां तक की नहरों में पूरी क्षमता के साथ पानी तक नहीं छोड़ा जा सका है। पर्याप्त बिजली भी नहीं मिल पा रही है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि गोपीगंज कोतवाली में आपसी विवाद को लेकर पहुंचे रामजी मिश्र की पुलिसिया उत्पीड़न से मौत हो गई, लेकिन जांच में हीला-हवाली जारी है। अन्य वक्ताओं ने भाजपा सरकार पर किसानों की अनदेखी किये जाने का आरोप मढ़ा। साथ ही जिले को सूखा ग्रस्त घोषित किए जाने की मांग की। प्रदर्शन में सुरेश उपाध्याय, गुलजारीलाल, राजेश पांडेय, संजीव उपाध्याय, अनुपम आनंद, लालमणि चौरसिया सहित अन्य थे।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

महराजगंज, श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के लखिमा बाजार टोला निवासी ब्रह्मा यादव की (१६) पुत्री नीशू यादव का शव घर में फंदे से लटकता मिला। बताया जा रहा है कि घटना के समय ब्रह्मा यादव अपनी साइकिल मरम्मत की दुकान पर थे, उसकी मां ऊषा देवी व घर के अन्य सदस्य खेत में काम कर रहे थे। जब वे दोपहर को घर लौटी तो उसे नीशू छत की कुंडी से रस्सी के सहारे लटकी मिली।

हाजी के दरवाजे हक मांगने पहुंची तलाकशुदा बहू

अयोध्या (फैजाबाद), बाबरी मस्जिद के मुद्दई हाजी महबूब की तलाकशुदा बहू आमना मुजफ्फर कल पूर्वाह्न अदालती आदेश पर पुलिस के साथ उनके टेढ़ीबाजार स्थित आवास पर हक मांगने पहुंचीं। तलाकशुदा बहू के हक मांगने आने की खबर पाकर बाबरी मस्जिद के मुद्दई घर पर ताला जड़ परिवार सहित गायब हो गए। आमना काफी देर तक पुलिस के साथ दरवाजे पर खड़ी रहीं और पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे रामजन्मभूमि थानाध्यक्ष मोबाइल पर हाजी महबूब से संपर्क करने का घंटों तक बराबर प्रयास करते रहे पर बात नहीं हो सकी। अंततः आमना और पुलिस को हाजी के दरवाजे से बैरंग वापस लौटना पड़ा।

आदर्श बौद्ध इंटर कालेज के प्रधानाचार्य को जेल

गाजीपुर, शहर कोतवाली क्षेत्र के तुलसीपुर छावनी लाइन गांव निवासी अरविंद कुशवाहा को गोली मारने के मामले में आरोपित आदर्श बौद्ध इंटर कालेज के प्रधानाचार्य को ईसी एक्ट कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज करते हुए जेल भेज दिया। प्रधानाचार्य के जेल जाते ही उनके परिवार में हड़कंप मच गया। मालूम हो कि वर्ष 2013 में सात दिसंबर को अरविंद कुशवाहा कार से अपने माता-पिता को लेकर सेमरा चक फैल गांव स्थित अपने खेत जा रहे थे। वह जैसे ही महराजगंज पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो बदमाशों ने गोली मार दी। गोली से घायल अरविंद को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में अरविंद के पिता केशर कुशवाहा ने सुरेश पांडेय समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। आरोप था कि सुरेश पांडेय पुलिस से मिलकर चार्जशीट से अपना नाम निकलवा लिया। इस पर पीड़ित ने न्यायालय में गुहार लगाई। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को समझते हुए सुरेश पांडेय को तलब किया। वहां पहुंचने के बाद वे जमानत अर्जी दिए लेकिन कोर्ट ने खारिज कर जेल भेज दिया।

पुलिया की मांग को लेकर किसानों ने दिया धरना

कमालपुर (चंदौली), नाले पर पुलिया की मांग को लेकर कल क्षेत्रीय किसानों ने कस्बे में धरना दिया। हालांकि सांसद प्रतिनिधि ने पहुंच कर किसानों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया तो किसान धरना समाप्त हुआ। किसानों ने कहा कि कमालपुर वाया चिलबिली जाने वाली सड़क से सकलडीहा-अंमड़ा मार्ग को जोड़ने को गंदे नाले पर पुलिया के नहीं होने से किसानों, छात्रों सहित आमजन को दो किमी या उससे अधिक दूरी भी तय करनी पड़ती है। इससे जहां व्यर्थ में समय व्यतीत होता है। वहीं समय भी जाया जाता है, जैसे पीजी कालेज, यूनियन बैंक चंद कदम पर है पर नाले पर पुलिया के नहीं रहने से आमजन को एक किमी दूरी तय करनी पड़ती है। वहीं जनौली कमालपुर देवकली गांव के किसानों को खेती बारी करने में काफी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। किसानों

के धरना देने की सूचना पाकर पहुंचे सांसद प्रतिनिधि रामजी तिवारी ने मौके का निरीक्षण किया।

सूरत। शहर भर में हो रही भारी वर्षा के कारण सचीन जी.आई.डी.सी पुलिस स्टेशन में पानी घुस गया। तस्वीरों में देखने से लगता है कि पुलिस स्टेशन के सामने से कोई नदी बह रही हो।

लाखों वाहनों में एचएसआरपी लगाने का बाकी

राज्य में एचएसआरपी नंबर प्लेट की अवधि ३१ जुलाई

राज्य सरकार द्वारा और एक बार एचएसआरपी लगाने की तय सीमा बढ़ाई गई : वाहनचालकों को राहत हुई

अहमदाबाद । राज्य में पुराने वाहनों पर हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगाने की अवधि अब ३१ जुलाई, २०१८ तक बढ़ाई गई है । वाहनचालकों की अनुकूलता को ध्यान में रखकर राज्य सरकार द्वारा एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने की अवधि में और एक बार बढ़ाई गई है । हालांकि, यह भी इतनी ही वास्तविकता है कि, अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर में अभी लाखों वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का बाकी है। आरटीओ प्रशासन और अतिरिक्त स्टाफ के साथ एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का कामकाज चल रहा है लेकिन खिलाफ पुराने वाहनों की भीड़ इतनी ज्यादा है कि, इसे कम समय सीमा में पूरा करना संभव नहीं है । वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का अनिवार्य करने के बाद २०१२ से राज्य में वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का काम शुरू किया गया है । राज्य सरकार द्वारा पहले राज्य के वाहनचालकों को गत ३० अप्रैल तक में वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट फीट कराने का आदेश दिया गया था । हालांकि ३० अप्रैल की अवधि पूरी हुई इसके बावजूद भी लाखों वाहनों में नंबर प्लेट लगाने का बाकी होने से राज्य के वाहन व्यवहार मंत्री ने पुराने वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने की अवधि में लगातार दो बार बढ़ा गई थी फिर भी यह कामकाज पूरा नहीं होने पर अब अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर के वाहनचालकों को अपने पुराने वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने की अवधि ३१ जुलाई तक बढ़ा दी गई है । सरकार के यह निर्णय की वजह से लाखों वाहनचालकों में खुशी की लहर फैल गई है तो दूसरी तरफ आरटीओ प्रशासन जल्दी से एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के काम में लग गया है ।

पुलिस की ओर से सभी तैयारियां पूर्ण

रथयात्रा : चप्पे चप्पे पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

बाहर से बुलाई गई टीमो ने भी जिम्मेदारी संभाल ली

अहमदाबाद । रथयात्रा के १८ किलोमीटर के रुट पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है । चप्पे चप्पे पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ कोम्युनिटी पुलीसींग पर भी भार दिया जा रहा है । शहर पुलिस आयुक्त एके सिंह ने बीते साल से ही कोम्युनिटी पुलिसींग को बढ़ावा देने के लिए स्थानिय अधिकारियों के साथ बातचीत की थी । कारंज, दरियापुर, शाहपुर, सरसपुर, शहेरकोटडा इलाकों में इसके लिए ४०० से ५०० स्वयंसेवी सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जा रहा है । रथयात्रा की सुरक्षा में सबसे अनुभवी और नये नियुक्त होने वाले पुलिस कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है । अभी भर्ती होने वाले और तालीम लेनेवाले ३३ फिसदी अधिकारी और कर्मचारियों को भी तैनात किया जा रहा है । रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है । अषाढी बीज १४ जुलाई के दिन अहमदाबाद शहर में रथयात्रा निकलेगी । सबसे संवेदनशील माने जानेवाले इलाकों में पुलिस स्वयं सेवको का साथ लेगी । पुलिस अतिआधुनिक तकनीक का उपयोग भी करने जा रही है । रथयात्रा को लेकर सभी तैयारीया पुलिस की ओर से भी कर ली गई है । बाहर से बुलाई गई सुरक्षा टीमे भी अपनी जिम्मेदारी संभाल चुकी है ।

दुसरी ओर अहमदाबाद भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की पल पल की जानकारी इस बार ट्वीटर एकाउन्ट पर से भी दी जाएगी । सोशल मीडिया पर सक्रिय रहनेवाले अहमदाबाद शहर के लोग लाइव अपडेट पा सकेंगे । इसके लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है ।

ननिहाल से भगवान निजमंदिर वापस आने पर भक्त प्रसन्न

भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम का गर्भगृह में प्रवेश

आज भगवान का अनूठा सोने के कपड़ों में दर्शन का आनंद : मुख्यमंत्री रुपाणी खीचडी का प्रसाद लेकर आयेंगे

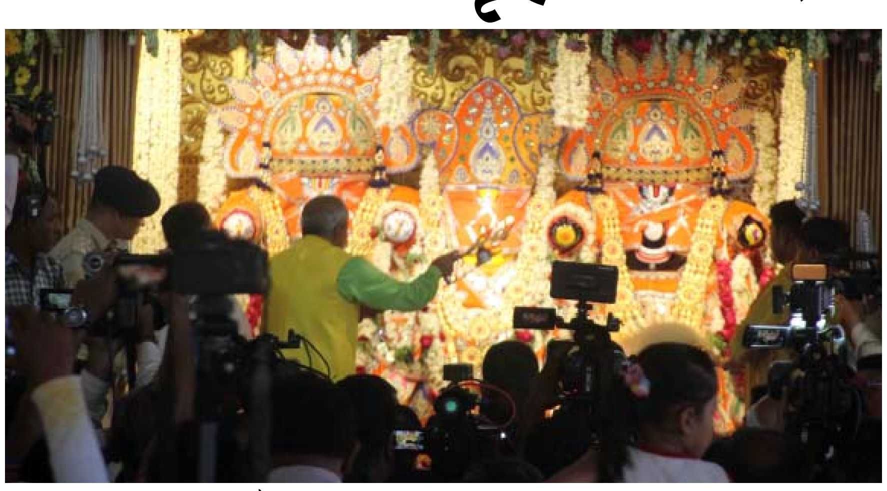

अहमदाबाद । भगवान जगन्नाथ गुरुवार को बहन सुभद्रा और भाई बलराम के साथ निज मंदिर वापस आने पर भगवान का इंतजार कर रहे हजारों भक्त प्रसन्न हो गये । वैदिक मंत्र और संपूर्ण शास्त्र विधि के साथ भगवान का गर्भगृह में प्रवेश कराया गया । भगवान के गर्भगृह में प्रवेश के साथ हजारों भक्तों द्वारा जय जगन्नाथ.. जय जगन्नाथ का नारे लगाने पर माहौल गूंज उठा था ।

जगन्नाथ मंदिर के महंत दिलीपदासजी महाराज और ट्रस्टी महेन्द्रभाई झा सहित के महानुभावों की उपस्थिति में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम का गर्भगृह में प्रवेश कराया गया था और उनको आंख में पट्टी बांधने की नेत्रोत्सव विधि पूरी की गई थी । सुबह में ९.३० बजे नेत्रोत्सव विधि के बाद ध्वजारोहण विधि की जायेगी । इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल ओमप्रकाश कोहली और मेयर बीजलबहन शाह उपस्थित हुई । सुबह में १० बजे विशिष्ट पूजा और आरती की गई थी । इसके बाद साधु-संतों के लिए ११.३० बजे भंडारा और संतों के सम्मान का आयोजन किया गया । जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतुभाई वाघाणी मुख्य अतिथि विशेष के तौर पर उपस्थित हुए । गुरुवार को भगवान की विशिष्ट पूजा के अलावा अहमदाबाद शहर सहित पूरे राज्य में सभी जगहों पर अच्छी बारिश के लिए इन्द्रदेव की विशेष पूजा-अर्चना करके बारिश की सीजन किसानों के लिए काफी अच्छी रहे और वह खुश रहे यह भी प्रार्थना की गई । अब शुक्रवार को सुबह में ८ बजे भगवान का अनूठा सोने के कपड़ों में दर्शन करने के लिए खुला रखा जाएगा । जिसमें विशेष प्रकार के आभूषण और श्रृंगार मुख्य आकर्षण का केन्द्र होता है । दोपहर में ३ बजे मंदिर के परिसर में तीनों रथों की प्रतिष्ठा विधि और पूजनविधि, शाम को ४ बजे शहर शांति समिति की मुलाकात, शाम को ६ बजे मुख्यमंत्री रुपाणी और उपमुख्यमंत्री द्वारा परंपरा के अनुसार रथयात्रा के अगले दिन जगन्नाथ मंदिर और महंत की शुभकामना मुलाकात लेंगे ।

बीजेपी की कमलम ओफिस में महत्व की बैठक हुई । जिसमें सभी बड़े नेता हाजिर रहे ।

अब मनपा समितियों में हिस्सेदारी को दौड़

सूरत। मनपा में चार प्रमुख पदों पर नियुक्तियों के बाद लोगों की आस अब समितियों पर टिकी है। राजस्थान समाज को भी उम्मीद है कि कम से कम एक व्यक्ति को किसी समिति की कमान सौंप संतुलन साधा जा सकता है। समितियों में हिस्सेदारी के लिए पार्षदों में आलाकमान की परिक्रमा की होड़ लगी है।

भाजपा प्रदेश हाइकमान ने बीते गुरुवार सूरत मनपा के चार प्रमुख पदों पर नियुक्तियों का ऐलान कर दिया था। सामान्य सभा में महापौर पद पर जगदीश पटेल, उपमहापौर नीरव शाह, स्थाई समिति प्रमुख अनिल गोपलाणी और नेता शासक पक्ष पद पर गिरिजाशंकर मिश्र को नियुक्ति मिली थी। इनमें गिरिजाशंकर को हाइकमान ने रिपीट किया था। इन नियुक्तियों में राजस्थानी समाज को जगह नहीं मिलने से एक बड़े वर्ग में निराशा रही। समाज के लोगों को उम्मीद थी कि इस बार नेता शासक पक्ष या उप महापौर पद पर किसी एक राजस्थानी नेता को जगह मिल सकती है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। हालांकि हाइकमान ने स्थाई समिति सदस्यों में एक नाम राजस्थान समाज से लेकर असंतोष की इस आंच पर पानी डालने का प्रयास किया है।

इन नियुक्तियों के बाद अब माना जा रहा है कि विभिन्न समितियों में से किसी एक की कमान राजस्थान समाज के पार्षद को सौंपी जा सकती है। यह उम्मीद इसलिए भी बढ़ी है कि बीते टर्म में राजस्थानी समाज की सुधा नाहटा को गटर समिति का चेयरमैन बनाया गया था।

शारजाह फ्लाइट उद्यमियों के लिए बड़ी राहत

सूरत। लंबे समय से सूरत एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए प्रयास कर रहे सूरतीयों का सपना साकार होता दिख रहा है। पिछले सप्ताह सूरत एयरपोर्ट को कस्टम नोटिफाइड का दर्जा मिलने के बाद विमान कंपनी की और से अगस्त से सूरत और शारजाह के बीच फ्लाइट शुरु करने की तैयारी की जा रही है। सूरत के उद्यमी इसे बड़ी राहत मान रहे है।

शारजाह फ्लाइट सूरत की पहली इंटरनेशनल फ्लाइट होगी। फिलहाल सूरत से दिल्ली, कोलकता, बेंगलुरु, हैदराबाद, जयपुर, गोवा और कोलकता के लिए सीधी फ्लाइट है। वी वर्क फोर वर्किंग एयरोपर्ट के संजय शाह ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शारहाज के लिए फ्लाइट शुरु करने की दिशा में कदम उठाया है। यदि औपचारिकताएं पूरी हो गई 17 अगस्त से सूरत से शारजाह के लिए विमान सेवा शुरु हो जाएगी। अब तक की जानकारी के अनुसार यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन बुधवार, शुक्रवार और रविवार को उड़ान भेरगी। दुबाई के समयनुसार विमान रात 2:05 बजे वहां से उड़ान भरेगा और भारतीय समयानुसार सुबह 6:30 बजे सूरत पहुंचेगा। यह 180 बैठक वाली फ्लाइट होगी। सूरत एयरपोर्ट को कस्टम नोटिफाइटड घोषित करने के बाद कस्टम स्टाफ रिक्रुट करने की तैयारियां शुरु हो चुकी है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com